Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–147

B.A. (Part–I) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - I

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जबाव हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सके।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. नीचे लिख्यौड़ा सवालां रा पड़ूत्तर देवो (सबद सीमा **50** सबद) :

   (i) सीपी पाळ पेट में मोती, गूंगी मरण बुलावै क्यूं ? सीपी ने आ बात कुण केवै अर सीपी कांई पड़ूत्तर देवै ? लिखो।

(ii) पाबूजी राठौड़ री घोड़ी रो नाम कांई हो, वा घोड़ी कुण देवै वांनै ?

(iii) 'अैरण बूझे रै घण बीर नै' रचनाकार रो नाम अर मूळभाव लिखो।

(iv) 'पासाण सुंदरी' किण कवि री रचना है ? रचना लिखण लारै कवि रो खास ध्येय समझावो।

(v) कृष्ण अर अर्जुन रै बिचाळै दो संबंध किस हा ? बतावो।

(vi) 'मानखो' रचना में किसा-किसा पात्र है ? नाम लिखो।

(vii) 'मानखो' रचना में करुण-रस रो वरणन् किण प्रसंग में होयो है ? बतावो।

(viii) सुभद्रा बखतर कसण री बात किण नै अर क्यूं केवै ?

(ix) 'मानखो' रचना में दो ऋषियां रो लेख है, उणारा नाम लिखो।

(x) आधुनिक काल रै दो कवियां रा नाम लिखो।

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिखी रचनावां रै अंसां री सप्रसंग व्याख्या करो (कोई **पाँच**) (सबद सीमा **200** सबदां सूं बेसी नी) :

2. टांकी घड़, जीवण री जे मेडियां चिणावै,

जीवण रै रथ री गत नै घुराई बधावै,

सूई सींवै जीवण रा फाट्या गूदड़ा रै,

क्यूं नी बदळै जुग री तसवीर नै,

अैरण बूझै रै घण बीर नै॥

3. चौमासे में चंवरी चढनै, सावण पूगी सासरै,

भर्यै भादवै ढळी जवानी, आधी रैगी आस रै

मन रो भेद लुकाती, नैणां आंसूड़ा ढळकाती

रिमझिम आवै बिरखा-बीनणी

ठुमक-ठुमक पग धरती नखरौ करती

हिवड़ौ भरती, बींद पगलिया धरती

छम छम आवै बिरखा बीनणी॥

4. पान खड़क्कया जावता कोसां छाळोछाळ।

बै सागी सुधबायरा ऊभा जोडा पाळ॥

नार पणै रै ईसकै भल अंग भूंजो आय।

मती लजाया मां-पणो लेया लाल बचाय॥

5. रूड़ी विस री रीत, पीतां ही पड़ जावणो।

पण पापण मधु प्रीत, घुट घुट मरणो मालती॥

मद पीधां मन मार, विस पीधा था विसरवा।

पापण प्रीत खुमार, मिटी न अे मधु मालती॥

6. जुद्धां जबरां रा जोर तुलै,

कटणो-मरणो मोट्यारां रो,

जोधा जामै पाळै तो ही,

रण आंगण कोनी नार्यां रो॥

7. सबळां नै अेक चुणोती है,

काळख भूपाळां रै बळ री

राणी मां आतम घात नहीं

आ अगन समाधी दुरबळ री।

8. तूं मोरी आस मांनखै री,

गळ ढळियां आज सरै कोनी।

ज्यूं नील कंठ ही झाल सकै,

दूजै स्यूं जैर जरै कोनी॥

खण्ड–स

नोट :– नीचे लिख्यौड़ा सवालां में किणी **दो** रा पङूत्तर देवोः। (सबद सीमा **500** सबदां सूं बेसी नी) :

9. कवि चन्द्रसिंह बिरकाळी री रचनावां में प्रकृति रै सिरजण अर विनासकारी रूपां रो सांतरो वरणन् होयो है। इण बात रो खुलासो करो।

10. कवि कन्हैयालाल सेठिया रै गीतां रो मूळ भाव कांई है ? आं रचनावां रो संदेस उदाहरणां सूं समझावो।

11. 'मानखो' रचना रै आधार माथै सुभद्रा रो चरित्र-चित्रण करो।

12. 'मानखो' काव्य रचना री विसेसतावां रो वरणन् दाखलां सूं करो।